
आलस्य और अलबेलापन - 5

➤➤ अलबेलापन समाप्त करने के लिए

➤➤ _ ➤➤ सदैव याद रखें :- “आप निरंतर निगारनी में हैं”

→ आप हर वक्त CCTV कैमरे की नज़र में हैं

→ हर वक्त आपको हर आत्मा, आपके भक्त, आपकी प्रजा आपको देख रहे हैं

→ भगवान आपको हर समय देख रहा है

➤➤ _ ➤➤ सदैव याद रखें :- “आप विश्व की आत्माओं के मां बाप हो”

➤➤ _ ➤➤ जिम्मेवारी लें

→ जैसे की मुरली REWISE करने की सेवा लें

→ योग करवाने की जिम्मेवारी लें

➤➤ इष्ट देवी का अभ्यास

➤➤ _ ➤➤ मैं शीतला देवी हूँ / शांति देवा

→ सबको शीतल बनाने वाली

➤➤ _ ➤➤ मैं दुर्गा हूँ

→ सबके दुर्गणों को विनाश करने वाली

➤➤ _ ➤➤ मैं महाकाली हूँ

→ विकारों पर विकराल रूप धारण करने वाली

➤➤ _ ➤➤ मैं संतोषी मां हूँ

→ सबको संतुष्ट करने वाली

➤➤ _ ➤➤ मैं वैष्णो देवी हूँ

→ सबमें दिव्यता भरने वाली

➤➤ _ ➤➤ मैं ज्वाला देवी हूँ

→ विकारों को जला कर भस्म करने वाली

➤➤ _ ➤➤ मैं मां जगदम्बा हूँ

→ सबकी मनोकामनाएं पूरण करने वाली

➤➤ _ ➤➤ मैं मां लक्ष्मी हूँ

→ सबको ज्ञान धन से भरपूर करने वाली

➤➤ _ ➤➤ मैं उमा देवी हूँ

→ सर्व आत्माओं में उमग उत्साह से भरने वाली

➤➤ _ ➤➤ मैं मां सरस्वती हूँ

→ सबको विद्या से भरपूर करने वाली

